



दो अनजान जिस्म- एक काम

“मैंने अभी तक उसको देखा भी नहीं था, ना ही उसकी आवाज़ सुनी थी। मैं पूरे जोश में था कि मुझे शुक्रवार को एक अनछुई चूत मिलने वाली है, जिसका उदघाटन सील तोड़कर मैं ही करने वाला हूँ। ...”

Story By: (pawan172)

Posted: Sunday, July 17th, 2005

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [दो अनजान जिस्म- एक काम](#)

दो अनजान जिस्म- एक काम

प्रेषक – पवन कुमार

आज जब मैंने लॉग-इन किया तो वह ऑनलाईन थी। चैट में उत्तर में उससे पूछा, “आप आगरा में कहाँ की रहने वाली हो, और आप की उम्र क्या है?”

तो उसका उत्तर आया कि, “मैं शाहगंज में रहती हूँ, और मेरी उम्र २२ वर्ष है।”

फिर मैंने उससे पूछा, “कभी किसी के साथ सेक्स किया है?”

“नहीं।”

“क्यों? कभी मन नहीं करता सेक्स करने के लिए?”

“मन तो बहुत करता है, पर मुझे डर लगता है। कहीं सेक्स करने के बाद घर पर पता न चल जाए।”

“इस मामले में मैं तुम्हारी मदद कर सकता हूँ, अगर तुम मान जाओ तो।” – मैंने उसे समझाने की कोशिश की।

“कैसे?” – उसने उत्सुकतावश पूछा।

“मैं तुम्हारे साथ सेक्स करने को तैयार हूँ, और मैं किसी को कुछ भी नहीं बताऊँगा, ये मेरा वादा है।”

“लेकिन यह कैसे सम्भव होगा। तुम मुझे कहाँ मिलोगे, और हम लोगों को ऐसी जगह कहाँ

मिलेगी जहाँ हम दोनों के सिवा तीसरा कोई न हो ?”

“हम लोग होटल जाएँगे, वहाँ एक कमरा ले लेंगे और पूरा दिन मजे करेंगे” – मैंने लिखा।

“नहीं, मुझे डर लगता है, कहीं उल्टा-सीधा हो गया तो ?”

“ऐसा कुछ नहीं होगा, मैं कॉण्डोम चढ़ा लूँगा अपने लण्ड पर, फिर कुछ नहीं होगा। तुम मुझसे शुक्रवार को बहू प्लाज़ा पर मिलो, सुबह ९ :०० बजे।”

“ठीक है”

और इस तह वह शुक्रवार को मुझसे चुदवाने के लिए तैयार हो गई। मैंने अभी तक उसको देखा भी नहीं था, ना ही उसकी आवाज़ सुनी थी। मैं पूरे जोश में था कि मुझे शुक्रवार को एक अनछुई चूत मिलने वाली है, जिसका उदघाटन सील तोड़कर मैं ही करने वाला हूँ।

शुक्रवार को नियत स्थान पर मैं सुबह ८ :४५ को ही पहुँच गया, दवा की दुकान से कामासूत्र कॉण्डोम लिए, फिर उसका इन्तज़ार करने लगा। उसने कहा था कि मैं गुलाबी रंग की सलवार-कमीज़ पहनकर आऊँगी, मैंने भी उसे बताया था कि मैं काली टी-शर्ट और नीली जीन्स और जैकेट पहने रहूँगा। इससे हम लोग एक-दूसरे को पहचान सकते थे।

लगभग २० मिनटों के बाद एक लड़की मेरे सामने आई, और पूछा – “राज ?”

“हाँ ! तुम प्रिया हो ?” – मैंने प्रत्युत्तर कहा।

उसने हाँ कहते हुए अपनी गर्दन नीची कर दी। वह एकदम खूबसूरत थी। क़द ५.४ फीट, फ़िगर ३८-२६-३८। दिखने में एकदम सेक्सी थी। उसने गुलाबी रंग की सलवार-कमीज़ पहनी हुई थी। ऊपर से उसकी चूचियाँ साफ दिखाई दे रहीं थीं, वो भी पूरे माल्टा के आकार में थे। उसकी चूचियाँ देखकर ही मेरा लंड खड़ा हो गया था। मैं उसको लेकर एक होटल में

गया और वहाँ एक कमरा लेकर हम उस कमरे में चले गए। कमरे में जाते ही देखा कि वहाँ एक बिस्तर, और बाथरूम-टॉयलेट था। मैंने दरवाजा बन्द कर दिया, वह बिस्तर पर बैठी थी। मैं बाथरूम जाकर तरोताज़ा हुआ, आकर उसे भी तरोताज़ा होने को कहा, तो वह उठकर बाथरूम चली गई। थोड़ी देर के बाद वह बाथरूम से जैसे ही बाहर आई, वैसे ही मैंने उसे अपनी बाँहों में भर लिया और उसको धीरे-धीरे चूमने लगा। वह शरमा कर अपने आप को छुड़ाने लगी। मैंने पूछा, “क्या हुआ ?”

“मुझे शर्म आती है।”

“हम लोग यहाँ मज़े करने आए हैं। अगर तुम ऐसे शरमाओगी तो न तो तुम मज़े कर पाओगी, न ही मुझे मज़ा आएगा। तो तुम भी शुरू हो जाओ, मुझे प्यार करो।”

और मैं उसकी गर्दन पर, होठों पर चूमने लगा। बीच-बीच में मैं उसके कान को भी चूमता। इन सब हरकतों से वह भी उत्तेजित हो गई और मुझे प्रतिक्रिया भी देने लगी। मैंने अपना एक हाथ आगे की ओर लाते हुए उसकी एक चूची पर रख दिया और मेरी उँगली कपड़ों के ऊपर से ही चूची पर धीरे-धीरे गोल-गोल घूमने लगीं। वह एकदम सिहर गई और मुझसे कहने लगी – “प्लीज़ ऐसा करते रहो, उसे ज़ोर से दबाते रहो।”

मैं कुछ देर बाद फिर उसे फिर धीरे-धीरे दबाने लगा। वाह ! क्या माल्टा थी। एकदम टाईट। फिर मैंने अपना दूसरा हाथ भी आगे लाते हुए उसकी दूसरी चूची पर रख दिया और धीरे-धीरे उसकी दोनों चूचियाँ दबाने लगा। थोड़ी देर के बाद मैंने अपना एक हाथ नीचे ले जाते हुए उसकी चूत पर रख दिया। जैसे ही मेरा हाथ उसकी चूत पर गया वह मेरा हाथ हटाने का प्रयास करने लगी। मैंने उससे कहा, “प्लीज़ !”

वह मान गई और दोनों हाथों से उसने मुझे जकड़ लिया। मैं कमीज़ के ऊपर से ही उसकी चूत सहलाने लगा। फिर थोड़ी देर बाद मैंने कमीज़ के अन्दर हाथ डाला और उसकी चूत

सहलाने लगा। वह मुँह से सिर्फ आआआआआआहहहह की आवाज़ें निकाल रही थी। अब मैंने वही हाथ ऊपर ले जाकर उसकी कमीज़ के नीचे से उसकी चूचियाँ दबानी शुरू कर दीं। उसने अन्दर ब्रा भी पहन रखी थी। मैं ब्रा के ऊपर से ही उसकी चूचियाँ एक-एक करके दबाने लगा। थोड़ी देर बाद मैंने दूसरे हाथ से उसकी कमीज़ की चेन खोल दी, और उसकी कमीज़ ऊपर करके निकाल दी। अब वो मेरे सामने सफ़ेद ब्रा में खड़ी थी, वह कोमल सी सुन्दर लग रही थी।

मैं ब्रा के ऊपर से ही उसकी चूचियाँ दबाने लगा और फिर दोनों हाथ पीछे ले जाकर उसकी ब्रा का हुक खोल दिया, और उसकी ब्रा उसके हाथों से अलग कर दी। वाह! क्या दूध थे उसके। पूरा गोलाकार था। न ही छोटे, ना ही अधिक बड़े बिल्कुल मध्यम आकार की थी उसकी चूचियाँ। चूचियों के ऊपर गुलाबी रंग के दाने थे। क्या खूबसूरत नज़ारा था? मैंने मेरी ज़िन्दगी में पहली बार इतनी अच्छी चूचियाँ देखी थीं। ऐसी चूचियाँ किसी-किसी की ही होती होंगी। मैं तो पागल हो गया था। मैंने उसके दोनों माल्टा हाथों में ले लिया और दबाने लगा। क्या कसाव था उनमें। वाह! मैं तो बस उसे दबाते ही रह गया। ऐसा लग रहा था कि इन्हें छोड़ कर कहीं ना जाऊँ।

१५-२० के बाद मैंने एक हाथ नीचे ले जाकर उसकी चूत सहलाने लगा। और फिर धीरे से उसके सलवार का नाड़ा खींचा। जैसे ही खींचा, उसकी सलवार नीचे गिर गई। तभी मैंने उसे अपनी गोद में उठा लिया और बिस्तर पर लिटा दिया, और सलवार पैरों से आज़ाद कर दी। उसने सफ़ेद रंग की चड्डी पहनी थी। वह शरमा के दूसरी ओर देख रही थी। मैंने अपनी शर्ट उतारी, बनियान निकाली और पैन्ट भी उतार दी। अब मैं उसके सामने सिर्फ अन्डरवियर में था, और वह मेरे सामने सिर्फ छोटी सी चड्डी में। मेरा लंड तो एकदम खड़ा हुआ था। मैं बिस्तर पर उसके ऊपर लेट गया और उसकी चूचियाँ दबाने लगा।

मैंने उसे कहा मेरा लंड चखोगी, तो उसने कहा, “मुझे मुँह में नहीं लेना।”

“ठीक है, तुम्हारी मर्जी।”

अब मैं फिर अपना एक हाथ नीचे ले जाकर उसकी चूत को सहलाने लगा। उसकी चड्डी गीली थी। मैंने हाथ फिर उसकी चड्डी में डाल दिया, वह सिहर गई। मेरे हाथ को उसकी झाँट के बाल लग गए। मैंने उससे पूछा – “कभी इसे साफ़ नहीं करती?” उसने गर्दन हिलाकर ना कहा। मैं एक उँगली उसकी चूत की छेद पर फेरने लगा। वह आआआहहहहह करती रही। मैं फिर वही ऊँगली उसकी चूत में घुसाने लगा, वह फिर से चिल्लाने लगी। मेरी पूरी उँगली उसकी चूत में चली गई। उसकी चूत काफी कसी हुई थी। फिर मैं मेरी उँगली अन्दर ही गोल-गोल घुमाने लगा। वह सिर्फ़ आहें भर रही थी। थोड़ी देर बाद मैंने अपना हाथ उसकी चड्डी से निकाला और उठ बैठा। अब मैं उसकी चड्डी उतारने लगा। वह शरमा रही थी। मैंने उसकी चड्डी उसके पैरों से अलग कर दी और उसकी चूत देखने लगा। तभी उसने अपने दोनों पैर एक दूसरे के ऊपर चढ़ा कर रख दिए और चूत छुपाने की कोशिश करने लगी। मैंने उसके दोनों पाँव अलग करके पकड़ लिए।

और अब मुझे उसकी चूत दिख रही थी। क्या चूत थी! एकदम कोरी चूत। चूत पूरी तरह से सील पैक थी। मैंने फिर अपनी एक उँगली उसकी चूत में घुसा दी और उसकी चूत के गुलाबी होंठों पर रखकर चूमने लगा, साथ ही उँगली अन्दर-बाहर भी करने लगा। वह एकदम पागल होने लगी, और मेरा हाथ पकड़ कर ज़ोर-ज़ोर से उँगली अन्दर-बाहर करने लगी। थोड़ी देर में उसकी चूत ने पानी छोड़ दिया और मेरा हाथ गीला कर दिया।

मैंने सोच लिया यही सही समय है उसे चोदने का क्योंकि उसकी चूत पूरी तरह से गीली हो गई थी। मैंने अपना अन्दरवियर उतार दिया। मेरा खड़ा हुआ लण्ड ९ इंच लम्बा था, देखकर वह हैरान हो गई और बोली मैं तो झूठ समझी थी पर तुम्हारा तो सच्ची में बहुत ही लम्बा है। मैंने कहा कि डरो नहीं, मेरा बड़ा तो है, पर कुछ समय बाद तुम्ही कहोगी कि पूरा डालो, ज़ोर-ज़ोर से। फिर पैन्ट में से कॉण्डोम का पैकेट निकाला। मैंने उससे कहा, “यह

काँण्डोम है। कभी देखा है ?”

उसने गर्दन हिलाकर ना कहा। मैंने उसमें से एक काँण्डोम बाहर निकाला और उससे कहा, “देख लो इसे, लण्ड पर कैसे चढ़ाते हैं। अगली बार तुम्हें ही ऐसा वाला दूसरा काँण्डोम मेरे लण्ड पर चढ़ाना होगा।”

वह गौर से देखने लगी। मैंने काँण्डोम अपने लण्ड पर चढ़ा लिया फिर मैंने उसकी दोनों टाँगों घुटनों से मोड़ दीं और जितना हो सका फैला दिया। अब उसकी चूत थोड़ी खुली लग रही थी।

मैं उसकी टाँगों के बीच में आ गया। मैंने अपना लण्ड एक हाथ से उसकी चूत पर रख दिया और उसकी चूत पर रगड़ने लगा। वह पूरी तरह से पागल हो गई और मुझसे कहने लगी, “प्लीज़, जल्दी डाल दो वरना मैं मर जाऊँगी। प्लीज़ जल्दी करो। फाइ दो मेरी चूत इस लण्ड से प्लीज़।”

मैंने एक जोर का धक्का मारा। वह तड़प उठी और चिल्लाने लगी, फिर थोड़ी देर मेरा लण्ड ऐसे ही रख कर एक और जोर का धक्का मारा, उसकी सील टूट गई, वह रोने लगी। वह चिल्ला उठी... आहहहहहहह.... प्लीज़ निकालो इसे, मैं मर जाऊँगी... प्लीज़।

वह तो शुक्र था कि मैंने टीवी की आवाज़ पहले ही तेज़ कर रखी थी वरना होटल वाले आ जाते। मैंने कहा, कुछ नहीं होगा। पहले ऐसा होता है, ऐसे ही पड़ी रहो, दर्द कम हो जाएगा। फिर हम दोनों थोड़ी देर ऐसे ही पड़े रहे। उस वक्त मैं उसकी चूचियाँ दबा रहा था। और दूसरा चूस रहा था।

५ मिनटों के बाद वह अपनी गाँड़ हिलाने लगी, मैं समझ गया कि अब चूत चुदवाने के लिए लण्ड के धक्कों का इन्तज़ार कर रही है। मैं अपना लण्ड उसकी चूत में अन्दर-बाहर करने

लगा। उसे भी अब मज़ा आ रहा था। वह भी अपनी गाँड़ ऊपर-नीचे करके प्रतिक्रिया दे रही थी। मैंने फिर अपनी गति बढ़ाते हुए ज़ोर-ज़ोर से धक्के मारने लगा। वह चिल्ला रही थी। जिससे मुझे और भी मज़ा और जोश आ रहा था। थोड़ी ही देर में वह मुझसे लिपट गई और उसने अपनी चूत से ढेर सारा पानी छोड़ दिया।

लेकिन मेरा लण्ड अब भी जोश में था। फिर मैंने उसको कहा कि अब मैं तुम्हें कुतिया की तरह चोदूँगा। वह झट से कुतिया जैसी मुद्रा में आ गई। पीछे से क्या लग रही थी। मैंने वक्त गँवाए बिना उसकी चूत पर अपना लण्ड रखा और ज़ोरदार धक्का मारा। एक ही धक्के में पूरा का पूरा ९ इंच लम्बा लण्ड उसकी चूत फाड़ता हुआ जड़ तक पहुँच गया। वह चीखते हुए बोली, “प्लीज़ आराम से...” फिर मैं अपना लण्ड धीरे-धीरे उसकी चूत में अन्दर-बाहर करने लगा। कुछ देर बाद वो खुद पीछे की ओर धक्के मारने लगी और कहने लगी, “आज अपनी पूरी ताकत से मेरी चूत चोदो... जो होगा देखा जाएगा।”

फिर क्या था, मैं पूरे जोश के साथ उसकी चूद चोदने लगा। लगभग १५-२० मिनटों के बाद मैंने कॉण्डोम में ही पानी छोड़ दिया और वह भी झड़ गई। फिर उसकी पीछे ही उसकी चूत में लण्ड डाले हुए मैं लेट गया।

१० मिनटों के बाद मैंने उसकी चूत से लण्ड निकाला और उसके ऊपर से हट गया। मैंने देखा कि उसकी चूत से थोड़ा सा खून निकला था। खून और उसकी चूत के पानी से उसकी चूत पूरी तरह से गीली हो चुकी थी। मैंने अपने लण्ड से कॉण्डोम उतारा और उसे अपनी बाँहों में उठा कर टॉयलेट ले गया। वहाँ उसे बिठाकर ठण्डे पानी से उसकी चूत साफ करने लगा। उसकी चूत में उँगली डाल कर साफ करने की वजह से मेरा लण्ड फिर से खड़ा हो गया। मैंने उसकी चूत साफ करके फिर से उसे अपनी बाँहों में उठाया और बिस्तर पर लाकर रख दिया। अब मेरा लण्ड मेरा पसन्दीदा शॉट मारने के लिए बेकरार था।

पैन्ट से मैंने एक कॉण्डोम निकाला और उसके हाथ में देकर कहा, “चढ़ा दो इसे मेरे लण्ड

पर।”

उसने पैकेट फाड़कर उसमें से कॉण्डोम बाहर निकालकर मेरे लण्ड पर रखा और उसे मेरे लण्ड पर चढ़ा दिया। मैंने उसकी दोनों टाँगों अपने कंधे पर रखीं, नीचे अपना लण्ड उसकी चूत में पूरी तरह से घुसा दिया और उसकी बाँहों में से अपने दोनों हाथ डालकर उसे ऊपर उठाया। अब मैं खड़ा था। उसकी दोनों टाँगों मेरे कंधों पर थीं और मेरे दोनों हाथ उसकी पीठ के पीछे थे। अब वह पूरी तरह से बंधी हुई थी, और मेरा लण्ड उसकी चूत में था। मैंने अपनी थोड़ी सी पीठ सहारे के लिए दीवार से लगाई, और फिर अपनी कमर आगे-पीछे करने लगा। इस स्थिति में मेरा पूरा का पूरा लण्ड उसकी चूत में चला जा रहा था। जब मैं प्रिया को इस मुद्रा में चोदता तो मुझे दीवार का सहारा लेने की ज़रूरत नहीं पड़ती, क्योंकि वह सिर्फ २२ साल की थी और उसका वज़न बहुत ही कम था।

मेरा लण्ड उसकी चूत में अन्दर-बाहर हो रहा था। मैंने उससे पूछा, “मज़ा आ रहा है?” उसने हाँ कहते हुए कहा, “ऐसे ही चोदते रहो। मैं तुम्हारी दीवानी हो गई हूँ। शादी के बाद भी मैं तुमसे ही चुदवाऊँगी। और ज़ोर से चोदो... फ़ाड़ डालो मेरी चूत को... और ज़ोर से आआआहहहहह।”

२०-३० मिनटों के बाद मैंने उसे बिस्तर पर लिटा दिया और कुत्ते की तरह होने को कहा। उसने अपने दोनों हाथ बिस्तर पर टिका दिए और घुटनों के बल वह कुतिया की मुद्रा में आ गई। मैंने उसके पाँव थोड़े से फैला दिए और पीछे से मेरा लण्ड उसकी चूत में डाल दिया और मैं उसे कुत्तों की तरह शॉट मारने लगा।

१५ मिनटों के बाद मैंने पानी छोड़ दिया। इस दौरान वह २ बार झड़ चुकी थी। मैंने अपने लंड से कॉण्डोम उतारा। दोपहर के १२ :३० बज गए थे। मैंने उससे कहा कि कपड़े पहन लो, खाना खा लेते हैं। वह उठकर बाथरूम में चली गई। मैं भी उसके पीछे चला गया। हम दोनों बाथरूम से बाहर आए। मैंने कपड़े पहन लिए। उसने पहले अपनी चड्डी पहनी, फिर ब्रा।

मैंने उसकी ब्रा के हुक बन्द किए। फिर उसने अपनी सलवार पैरों में चढ़ाई और अन्त में कमीज़ पहनी। फिर उसने अपने बाल और कपड़े ठीक किए। फिर हम खाना खाने के लिए चले गए।

खाना खाने के बाद उसने कहा कि एक बार और होना चाहिए। मैंने कहा, नहीं मुझे २ :२० तक कहीं काम से जाना है, अब तुम घर जाओ। हम दोनों ने एक दूसरे को अपने नम्बर दिए। फिर वह मुझे चूमने के लिए एक कोने में ले गई और मुझे चूम कर कहा, प्लीज़ जल्दी मिलना। फिर वह वहाँ से चली गई। मैंने होटल का बिल चुकाया और अपने काम के लिए चल पड़ा।

Other stories you may be interested in

अमीर औरत की जिस्म की आग

दोस्तो! मेरा नाम विशाल चौधरी है और मैं उ. प्र. राज्य के सम्भल जिले का रहने वाला हूँ। यह बात तब की है जब मैं अपनी पढ़ाई पूरी करके अपने घर पर रह रहा था और घर वालों का मेरे [...]

[Full Story >>>](#)

चालू शालू की मस्ती-1

हाय दोस्तो... आपकी शालिनी भाभी एक बार फिर से आप सबके लंड खड़े करने आ गई है अपनी एक नई कहानी लेकर! भूले तो नहीं ना मुझे? मैं लेडी राउडी राटौड़, आपकी शालिनी भाभी, आया कुछ याद? तो लगी शर्त [...]

[Full Story >>>](#)

पाठिका संग मिलन-4

“ये तो स्ट्रॉंग होगा?” “ज्यादा नहीं। ट्राय करके देखिए न!” कुछ देर हिचकती रही फिर ग्लास उठा लिया। “चीयर्स, फॉर पूना!” “चीयर्स!” इस बार उसकी हँसी खुली हुई थी। मैं थोड़ा उसकी ओर सरक गया। उसकी साड़ी मेरी बाँहों से [...]

[Full Story >>>](#)

शादीशुदा सेक्सी आंटी की प्यासी चूत

मेरा नाम मयंक है, मैं बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में रहता हूँ। बात तब की है जब मैं बिलासपुर में कोचिंग क्लास कर रहा था। मेरी सोशल नेटवर्किंग साइट के अकाउंट पर एक कोरबा की आंटी थी जिनसे मैं कभी-कभी बात करता [...]

[Full Story >>>](#)

दिल्ली से लखनऊ के सफ़र में मिली छोकरी

दोस्तो, मेरा नाम रोहन है, मैं लखनऊ से हूँ और दिल्ली में रहता हूँ। दिल्ली में अपनी पढ़ाई कर रहा हूँ। और मैं एक जिंगोलो हूँ ये काम मैं 1 साल से कर रहा हूँ। मैंने आज तक 100+ लड़कियां [...]

[Full Story >>>](#)

